जैव उर्वरक का प्रयोग मिट्टी के स्वास्थ्य एवं उर्वरता को बढ़ाता है तथा कम खर्चीला है, इसका प्रयोग अवश्य करें।

जैव उर्वरक के उपयोग संबंधी अनुशंसायें

प्रयोग विधि	फसलें	अनुशंसित जैव उर्वरक	मात्रा– पैकेट/एकड़	पानी की मात्रा	जैव उर्वरकः पानी अनुपात	उपयोगिता
बीज उपचार	बीज से उगाई गयी सभी फसलें यथा –	**उपलब्धता–** पाउडर/तरल				
	दलहनी मसूर, लोबिया, मटर, राजमा, चना, मूंग, अरहर, उरद **तेलहनी** मूंगफली, सोयाबीन **चारा फसलें** बरसीम, लूसर्न	**राइजोबियम (फसल विशेष के लिए)**	200 ग्राम/10 कि0ग्रा0 बीज	400 मि0ली0	1 : 2	नत्रजन
	खाद्यान्न गेहूँ, जौ, जई **कदन्न** मकई, ज्वार, बाजरा, कोदो, चीना, मडुआ, **तेलहनी फसलें** राई, सरसों, तिल, तीसी, सूर्यमूखी, अण्डी **चारा फसलें** बरमूडा ग्रास, सूडान ग्रास, नेपियर ग्रास	**एजोटोबैक्टर**	200 ग्राम/10 कि0ग्रा0 बीज	400 मि0ली0	1 : 2	नत्रजन
	खाद्यान्न ज्वार, बाजरा, मक्का, धान	**एजोस्पिरिलम**	200 ग्राम/10 कि0ग्रा0 बीज	400 मि0ली0	1 : 2	नत्रजन
पौधा उपचार	धान	**एजोस्पिरिलम**	1000 ग्राम/एकड़	10 ली0	1 : 10	नत्रजन
	टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं विभिन्न प्रकार के फूल	**एजोटोबैक्टर एवं पी0एस0बी0**	1000 ग्राम/एकड़	10 ली0	1 : 10	नत्रजन एवं फासफोरस
सेट उपचार	गन्ना, केला, आलू,	**एजोटोबैक्टर एवं पी0एस0बी0**	2000 ग्राम/एकड़	100 ली0	1 : 50	नत्रजन एवं फासफोरस
मिट्टी उपचार	सभी फसलें (फल/कृषिजन्य वन/जलावन लकड़ी/चारा/मसाले/फूल/फलीदार पौधे एवं वृक्षें)	**एजोटोबैक्टर एवं पी0एस0बी0**	2000 ग्राम/एकड़	40–50 कि0ग्रा0 गोबर की सभी खाद को नम करने हेतु	नम करने हेतु	नत्रजन एवं फासफोरस
	केवल धान फसल	**नील हरित शैवाल**	500 ग्राम/एकड़	पौधों की रोपाई के 2–3 दिन बाद धान के खेतों के खड़े पानी में छिड़काव		